PRAKRIT

The syllabus consists of two papers i.e. Paper I and Paper IInd.

a. **Paper-I** shall carry 100 marks of three hours duration and in this paper there shall be 100 objective type questions in all parts prescribed syllabus. Each question shall carry marks one.

b. **Paper - II** shall be of 3 hours duration and this paper shall carry 100 marks in all parts in prescribed syllabus with critical questions and explanations. It shall consist of only essay type questions.

c. The qualifying marks of Paper I is 35 & IInd is also 35 but aggregate marks of both papers is 100 minimum.

d. The first paper aims to test the General conception of the subject and the IInd paper is structured to test the department of the subject.

e. The examinee should to be on stereotype questions.

StudyRaW.Com

Scanned by CamScanner

प्राकृत विषय का पाठ्यक्रम
(प्रथम एवं द्वितीय पत्र)

क. अर्धमागधी, शौरसेनी तथा महाराष्ट्री एवं अपभ्रंश के अधोलिखित ग्रन्थों का सक्षिप्त परिचय :–

1. आचारांग – प्रथम श्रृतस्कंध का नवम अध्ययन
2. सूत्रकृतांग – प्रथम श्रुतस्कंध प्रथम अध्याय के प्रथम दो उद्देश्यक
3. उपासकदशा – प्रथम अध्ययन
4. उत्तराध्ययन सूत्र – विनय सूत्र, हरिकेशी संवाद, केशी गौतक संवाद
5. प्रवचनसार – ज्ञेयत्वाधिकार
6. समयसार – जीवजीवधिकार
7. पंचास्तिकाय – पीठ बन्ध प्रकरण मात्र
8. गाथासप्तशती – प्रथम 50 गाथा
9. सेतुबन्ध – प्रथम आश्वास
10. कसंवही – प्रथम सर्ग
11. समराइच्चकहा – प्रथम भव
12. पाहुडदोहा – प्रथम 100 गाथा
13. संदेश रासक – प्रथम दो प्रकरण
14. पउमचरिउ – 22वीं 23वीं संधि

ख. प्राकृत व्याकरण एवं भाषा विज्ञान :–

1. संधि, कारक, समास
2. प्राकृत भाषा की उत्पति, प्राकृत भाषा के भेद–प्रभेद भाषा की परिवर्तनशीलता एवं कारण, ध्वनी परिवर्त्तन, अर्थ परिवर्त्तन, भाषा ओर बोली में अन्तर।

StudyRaw.Com

Scanned by CamScanner

3. छन्द – गाथा, दोहा, शिखरिणी, अनुष्टुप
4. अंलकार – उपमा, अतिशयोक्ति, श्लेष, उत्पेक्षा
5. भाषिक टिप्पणियाँ – स्वरभक्ति, स्वरलोप, प्राकृत में स्वर व्यंजन विधान, समीकरण, विषमीकरण, वर्णलोप, वर्णपरिवर्त्तन, महाप्राणीकरण, अपश्रृति, सादृश्य

ग) प्राकृत साहित्य का इतिहास :–

1. अर्धमागधी आगम साहित्य का सामान्य परिचय
2. शौरसेनी आगम साहित्य का सामान्य परिचय
3. महाराष्ट्री प्राकृत का सामान्य परिचय
4. संदृक साहित्य(कर्पूरमंजरी,रंभामंजरी) का सामान्य परिचय

घ) जैनदर्शन एवं आचार शास्त्र :–

1. सत्ता का स्वरूप 2. षडद्रव्य 3. सप्रत्त्व 4. कर्मसिद्धान्त 5. ज्ञान के भेद 6. प्रमाण 7. स्याद्वाद 8. अनेकान्तवाद 9. मोक्ष की अवधारणा

ङ) शिलालेखी साहित्य :–

1. अशोक के सप्तअभिलेख 2. खारवेल शिला लेख 3. कक्कुक शिला लेख

सहायक ग्रन्थों की सूची :–

1. प्राकृत भाषा एवं साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डा0 नेमिचन्द्र शास्त्री
2. आचारांग – आगम साहित्य प्रकाशन व्यावर (राज)
3. सूत्रकृतांग– आगम साहित्य प्रकाशन व्यावर (राज)
4. प्राकृत साहित्य का इतिहास – जगदीश चन्द्र जैन
5. भाषाविज्ञान – डा0 कर्ण सिंह
6. समयसार – आचार्य कुन्दकुन्द
7. सेतुबन्ध – डा0 राजाराम जैन

StudyRaw.com

Scanned by CamScanner

8. पाहुडदोहा संग्रह – डा0 हरेन्द्र प्रसाद यिंह
9. संदेशरासक – डा0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
10. धण्ण कुमार चरिउ – डाव राजाराम जैन

StudyRaw.Com

Scanned by CamScanner